हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

9 जल संकटः ठुईयां में तीन साल से अधर में लटका जलघर का निर्माण

10 खाद, मुआवजा व एमएसपी को लेकर सड़कों पर उतरे किसान...

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

फतेहाबाद। दहेज प्रताड़ना से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भट्टूकलां पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान अजय प्रताप पुत्र संत सिंह निवासी गांव ढांड, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। यह मामला 1 सितम्बर को दर्ज किया गया था। पीड़िता ने शिकायत में कहा था कि उसकी शादी लगभग 12 वर्ष पूर्व आरोपी अजय प्रताप सिंह के साथ हिन्दू रीति-रिवाज से हुई थी।

अवैध असलहा रखने पर तीन युवकों को दबोचा

फतेहाबाद। अवैध असलहा रखने वालों के विरुद्ध अभियान के तहत थाना भट्टूकलां पुलिस ने तीन आरोपियों को काबू किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सोनू पुत्र राजकुमार निवासी नुईयावाली, थाना ओढां, सिरसा, अर्शदीप पुत्र सतनाम सिंह निवासी भद्रा, थाना रोड़ी तथा दीपक सिंह भाटी पुत्र जसबीर सिंह भाटी निवासी माचरा मंडी, भट्टू कलां के रूप में हुई है।

सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन, महिला काबू

फतेहाबाद। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के प्रदर्शन के खिलाफ विशेष अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुनीता देवी पत्नी राजकुमार निवासी गांव बड़ोपल के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में तीन अन्य आरोपियों को भी पुलिस द्वारा काबू किया जा चुका है।

सोलह श्रृंगार कर सुहागिनों ने मांगी सुहाग की लंबी उम्र

करवा चौथ: रात 9 बजे निकला चांद तो आसमान में गूंजे रंग-बिरंगे पटाखे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अलसुबह 4 बजे उठकर पूजा अर्चना के बाद सुहागिनों ने शाम को सामूहिक रूप से आरती सुनी और चांद निकलने के इंतजार में बैठी रही। रात 8 बजकर 55 मिनट पर जैसे ही चांद निकला तो आसमान में पटाखे व एक-दूसरे को सूचनाओं की किलकारियों से अपनी मुंह में अन्न डाला। इससे पूर्व महिलाओं ने चांद व अपने पति की पूजा की और उसके बाद अन्न-जल ग्रहण किया। अखंड सौभाग्य का प्रतीक करवा चौथ इस वर्ष शुक्रवार को पूरे उल्लास एवं पारंपरिक तरीके से मनाया गया। सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु एवं अविवाहित कन्याएं अच्छे वर की कामना को लेकर करवा चौथ का व्रत रखा। व्रत रखने वाली महिलाओं में उत्साह भी देखने को मिला है। बता दें कि करवाचौथ को लेकर पिछले कई दिनों से महिलाएं तैयारियों में जुटी हुई थी। करवाचौथ का व्रत पति-पत्नी के प्रेम को बढ़ाता है, उनके रिश्तों में अटूट बंधन की डोर को मजबूत बनाता है। यह पर्व आधुनिक समाज में आत्मिक भावनाओं को प्रकट करने का शुभ अवसर होता है।

देर रात किसी भी होटल पर नहीं थी बैठने की जगह

फतेहाबाद। करवा चौथ के व्रत के दौरान कथा सुनती महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

चांद देखकर तोड़ा व्रत

सुबह चार बजे सास द्वारा दी गई सरगी को ग्रहण कर व्रत प्रारंभ कर शाम एक समय में पूजा-अर्चना की गई। देर रात चांद का दीदार कर और पतियों के हाथों से जल ग्रहण करने के बार सुहागिनों ने व्रत तोड़ा, इससे पहले दिनभर भूखी प्यासी रहकर व्रत का संकल्प निभाया।

इंटरनेट मीडिया पर छाया रहा व्रत का खुमार

करवा चौथ व्रत का खुमार इंटरनेट मीडिया पर देखने को मिला। सुहागिनों के अलावा उनके पतियों ने भी अपनी पत्नी को करवा चौथ की बधाई दी। साथ ही करवा चौथ पर आधारित फिल्मी गीतों वाले वीडियो स्टेटस में डाले। वहीं फेसबुक, इस्टाग्राम जैसे साइट्स में फोटो डाले गए।

आज के दिन धर्मपरायण, निष्ठावान महिलाएं नीर जल, निराहार इस व्रत को पूर्ण करके सौभाग्य की प्राप्ति करती हैं। इस दिन सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके सज-धजकर, सभी प्रकार के आधुनिक खानदानी आभूषणों को धारण करके ईश्वर के समक्ष दिनभर के बाद रात को चंद्रमा उदय होने पर उसे अर्घ देकर अपने पति के दर्शन कर व्रत खोलती हैं। फतेहाबाद की भीमा बस्ती में पंडित चरणजीत शर्मा व पंडित सुरेश शर्मा के निवास पर महिलाओं ने करवा चौथ की कथा सुनीं।

फतेहाबाद। जवाहर चौक में ट्रेफिक व्यवस्था का जायजा लेते डीएसपी।

करवा चौथ पर पुलिस ने किए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, पूरी तरह मुस्तैद नजर आए कर्मी

फतेहाबाद। करवा चौथ जैसे पावन एवं पारंपरिक पर्व पर महिलाओं की बड़ी संख्या में बाजारों और मंदिरों में होने वाली आवाजाही को देखते हुए शुक्रवार को फतेहाबाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क एवं मुस्तैद रही। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशन में शांति, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई थी, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या असामाजिक गतिविधियों को रोका जा सके। एसपी जैन ने बताया कि करवा चौथ पर्व के मद्देनजर भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्रों, पूजा स्थलों और पार्कों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। महिला पुलिसकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गई ताकि महिला श्रद्धालुओं को सुरक्षा और सहयोग मिल सके। इसके अतिरिक्त, त्योहार के दौरान संध्या समय में चंद्र दर्शन और व्रत खोलने के लिए एकत्रित होने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा को देखते हुए मुख्य मार्गों पर सभी इंतजाम सुनिश्चित किए गए।

महिलाओं ने की पति की दीर्घायु की कामना

सिरसा। कार्तिक मास की चतुर्थी को मनाए जाने वाले करवाचौथ पर्व को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह रहा। पति की दीर्घायु की कामना को लेकर महिलाओं ने व्रत किया और रात्रि में चंद्र दर्शन और अर्घ्य देने के बाद ही जल व प्रसाद ग्रहण किया। करवाचौथ पर्व को लेकर बाजारों में काफी रौनक रही। पिछले एक सप्ताह से मार्केट में खरीददारी का दौर रहा। इस दौरान महिलाओं ने जमकर खरीददारी की। साड़ी, ज्वैलरी शॉप, गिफ्ट शॉप के साथ-साथ मेहंदी रचाने वालों के पास खासी भीड़ जुटी। ब्यूटी पार्लर के पास महिलाओं का तांता लगा रहा। उधर, खंड के गांव कुम्हारिया में सुहागिन महिलाओं ने करवा चौथ के अवसर पर व्रत रखकर सुहाग की लंबी उम्र की कामना की।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी में लगी धान की ढेरियां। *फोटो: हरिभूमि*

1.05 लाख एमटी धान की आवक

फतेहाबाद : 46 प्रतिशत किसानों को 117 करोड़ रुपये का भुगतान

■ 50 प्रतिशत धान अभी भी मंडियों में पड़ा हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले की मण्डियों और खरीद केन्द्रों पर धान की आवक जोर पकडने लगी है। जिले में तीन खरीद एजेंसियां फूड एंड सप्लाई डिपार्टमेंट, हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन एमएसपी पर धान की खरीद कर रही है। जिले में अब तक 1 लाख 5 हजार 831 एमटी धान की आवक हो चुकी है। इसमें से 49.44 प्रतिशत यानि 52 हजार 319 एमटी धान की उठान हो चुका है जबकि 53512 एमटी धान अब भी मंडियों व खरीद केन्द्रों पर पड़ा है। बता दें कि सरकार द्वारा ग्रेड ए धान का सरकारी रेट 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। फतेहाबाद जिले में फूड एंड सप्लाई, हैफेड और एचडब्ल्यूसी को सीएमआर के लिए 255 राइस मिलें अलाट की गई हैं। इनमें फूड एंड सप्लाई को 88, हैफेड को 83 व एचडब्ल्यूसी को 84 मिलें शामिल हैं। खरीद एजेंसियां अब तक 222 राइस मिलों के साथ एग्रीमेंट कर चुकी हैं, जिनमें फूड एंड सप्लाई द्वारा अब तक 70, हैफेड द्वारा 75 व एचडब्ल्यूसी द्वारा 77 मिलें शामिल हैं। जिले में अब तक 1 लाख 10 हजार 58 एमटी धान मंडियों व खरीद केन्द्रों पर आया है जिसमें से 1 लाख 5 हजार 831 एमटी धान की खरीद की जा चुकी है। फूड एंड सप्लाई द्वारा 1323 किसानों से 20 हजार 360 एमटी धान खरीदा है।

हैफेड ने 35.654 एमटी धान खरीदा

फूड एंड सप्लाई द्वारा 62 प्रतिशत किसानों को 30 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। हैफेड द्वारा 2900 किसानों से 35 हजार 654 एमटी धान खरीदा है। इसमें से 42.69 प्रतिशत यानि 15220 एमटी धान की उठान हो चुका है जबकि 20434 एमटी धान मण्डियों में पड़ा है। हैफेड द्वारा 38 प्रतिशत किसानों को 32 करोड़ 50 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। एचडब्ल्यूसी द्वारा 3654 किसानों से 49 हजार 817 एमटी धान खरीदा है। इसमें से 48.42 प्रतिशत यानि 24121 एमटी धान की उठान हो चुका है जबकि 25696 एमटी धान मंडियों में पड़ा है।

माजरा शोरूम से लाखों रुपये के कपड़े चोरी का मामला, सप्ताहभर बाद भी पुलिस के हाथ खाली

फतेहाबाद। गांव माजरा स्थित माजरा फैशन कैंप से लाखों रुपये के कपड़े चोरी होने के मामले को एक सप्ताह बीत चुका है लेकिन अभी तक फतेहाबाद पुलिस चोरों की पकडने में नाकाम रही है। पुलिस की 6 टीमें चोरों की धरपकड़ के लिए लगी हुई है। दुकानदार ने कयास लगाए हैं कि चोर यूपी के सहारनपुर से भी आगे माल ले जा चुके हैं, जिसे दिल्ली में बेचा जा सकता है। हालांकि सदर एसएचओ का दावा है कि जल्द ही चोर पकड़ेंगे, पुलिस टीमें लगी हुई हैं। बता दें कि 3 अक्टूबर की अलसुबह गांव माजरा स्थित माजरा फैशन कैंप में तीन चोर मुंह पर नकाब पहनकर घुसे। आरोपी करीब 40 लाख रुपए कीमत के पांच हजार सूट व लहंगे चोरी कर ले गए हैं। इन सूटों को आरोपी बोरों में भरने के बाद पिकअप में डालकर ले गए थे। कई दिन से चोर पकड़ में नहीं आने के बाद शोरूम मालिक ने चोरों को पकड़वाने वाले को 50 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है।

चोरों को पकड़वाने वाले को 50 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा

आदतन अपराधी लवप्रीत गिरफ्तार, चोरी-स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट के 13 मुकदमों में वांछित

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। युवक की पहचान लवप्रीत पुत्र सतपाल उर्फ सता निवासी राज नगर, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी लवप्रीत आदतन श्रेणी का अपराधी है, जिसके खिलाफ चोरी, स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट जैसी गंभीर धाराओं के तहत टोहाना, जीआरपी जींद, पंजाब के थाना सुनाम, जीआरपी, थाना अलेवा, सदर फतेहाबाद में 13 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। यह मामला 23 जुलाई का है, जब अजय कुमार पुत्र मान सिंह निवासी सलेमपुर लाला, जिला कासगंज (उत्तर प्रदेश) ने थाना शहर टोहाना पुलिस चौकी चंडीगढ़ रोड पर शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह और उसका साथी जीतु कुमार सिम्बल रोड पर मैट्रो फूडस में कार्यरत हैं। उक्त दिन दोनों व्यक्ति मार्केट से मोबाइल ठीक करवाकर लौट रहे थे, तभी दो युवक मोटरसाइकिल पर पीछे से आए और अजय कुमार के हाथ से मोबाइल फोन झपटकर फरार हो गए। पीड़ित द्वारा दी गई शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया।

मोडिफाई साइलेंसरों पर चलाया बुलडोजर

■ पुलिस जनता की सुरक्षा व सुविधा के लिए प्रतिबद्ध : एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। मोटरसाइकिलों से जब्त किए गए मोडिफाई साइलेंसर व हॉर्नों पर बुलडोजर चलाती पुलिस। *फोटो: हरिभूमि*

त्यौहारी सीजन से ठीक पहले जिला पुलिस ने विभिन्न थानों में जब्त किए गए मोटरसाइकिलों पर अवैध रूप से लगाए गए मोडिफाई साइलेंसरों, प्रैशर हॉर्नों पर शुक्रवार को बुलडोजर चला दिया। अकसर देखा जाता है कि शहर में युवा अपने मोटरसाइकिलों पर अवैध रूप से अत्याधिक आवाज वाले प्रैशर हार्न व साइलेंसर लगवाकर हुड़दंगबाजी करते हुए देखे जाते हैं। पुलिस ने जब्त किए गए साइलेंसरों और प्रैशर हॉर्नों को नष्ट कर संदेश दिया कि पुलिस हुड़दंगबाजों की इन हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने मौके पर ही दर्जनों मोटरसाइकिलों से पटाखा हॉर्न हटवाए और सभी जब्त किए गए हॉर्नों को ट्रैफिक थाना परिसर में इकट्ठा कर बुलडोजर चलाकर नष्ट कर दिया गया। एसपी ने कहा कि सिरसा पुलिस जनता की सुरक्षा व सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की 70 ग्राम 72 मिलीग्राम हेरोइन सहित एक तस्कर को रोड़ी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। एएनसी सिरसा प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस टीम चेकिंग के दौरान बाबा गौसपुरी महाराज चौक रोड़ी में मौजूद थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से करीब 70 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए तस्कर की पहचान जगजीत सिंह निवासी रोड़ी, सिरसा के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ थाना रोड़ी में अभियोग दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है। वहीं तस्कर को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

मंथन | जिला पुस्तकालय को लेकर कमेटी का किया गठन : डीसी

अतिक्रमण को लेकर व्यापारियों से करेंगे बात, निकालेंगे बीच का रास्ता : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। पत्रकारों से बातचीत करते उपायुक्त डॉ. विवेक भारती।

अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर दीपावली तक व्यापारियों को समय दिया गया है। दीपावली के बाद व्यापारिक संगठनों से मीटिंग कर बीच का रास्ता निकाला जाए और ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि अतिक्रमण भी हटे और दुकानदारों को असुविधा भी न हो। यह बात उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने शुक्रवार को प्रैस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में कही। जिला लाइब्रेरी के विषय में उपायुक्त ने कहा कि एसडीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर दी गई है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने जिले के लंबित प्रोजेक्ट्स, विकास कार्यों, आवश्यकताओं और अभावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने कहा की जिला पुस्तकालय को लेकर कमेटी का किया गठन किया गया है।

भूना में स्थाई समाधान के लिए ड्रेनेज सिस्टम होगा तैयार

भूना में जलभराव की समस्या पर उपायुक्त ने कहा कि पूर्व में पानी जोहड़ में जाता था, लेकिन अब जोहड़ संकरा हो गया है। इसके स्थायी समाधान के लिए ड्रेनेज सिस्टम तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चिंदड़, बडोपल, खाराखेड़ी जैसे सेमग्रस्त गांवों में पानी निकासी पर कार्य जारी है। बारिश से प्रभावित फसलों के मुआवजे संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि खराबे का डेटा किसानों द्वारा पोर्टल पर अपलोड किया गया है। वेरिफिकेशन पूर्ण हो चुकी है और उसके बाद निमयानुसार सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति की जाएगी। इंडस्ट्रियल जोन के संदर्भ में उपायुक्त ने बताया कि जिले में औद्योगिक विकास के लिए भूमि की उपलब्धता और आवश्यकता का सर्वे किया जाएगा, जिसके बाद आगे की कार्यवाही तय की जाएगी।

पिस्सू अपने शरीर की लंबाई से 350 गुना तक छलांग लगा सकते हैं।

यंगभूमि

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

पोस्ट अधिकारी बनकर भी चमका सकते हैं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

ये चाहिए जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जॉब के लिए योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

ये प्रोसेस अपनाएं

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता

बीबीए के बाद करियर विकल्प : कॉर्पोरेट और सरकारी जगत में सुनहरे अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को प्रबंधन विज्ञान, व्यवसाय रणनीति और नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः मार्केटिंग, फाइनेंस, अकाउंटिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन, आंत्रप्रेन्योरशिप और बिजनेस लॉ जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन में अत्यधिक महत्व है,मार्केटिंग किसी भी कंपनी की ब्रांड छवि और बिक्री बढ़ाने का प्रमुख स्तंभ है, फाइनेंस और अकाउंटिंग संस्थान की आर्थिक रीढ़ हैं, एचआर प्रबंधन संगठन की कार्यकुशलता और टीम भावना को मजबूत करता है, जबकि बिजनेस लॉ और स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट संस्थान को कानूनी, नैतिक और प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टि से सक्षम बनाते हैं। इस प्रकार बीबीए न केवल छात्रों को कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है, बल्कि उन्हें समस्या समाधान, निर्णय क्षमता, नेतृत्व और टीमवर्क जैसी प्रायोगिक कौशलों से भी सुसज्जित करता है। नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी. 2020) के अनुसार अब विद्यार्थी बीबीए को तीन वर्षों में सामान्य स्नातक डिग्री के रूप में या चार वर्षों में बीबीए ऑनर्स के रूप में भी पूरा कर सकते हैं।

तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम

विशेषज्ञता चुनी जा सकती

बीबीए/ऑनर्स में विषय-गहनता के साथ विशेषज्ञता चुनी जा सकती है। निम्नलिखित प्रमुख विशेषज्ञताएं इस प्रकार हैं।
विपणन (मार्केटिंग) वित्त लेखा
मानव संसाधन प्रबंधन । परिचालन/संचालन
व्यवसाय विश्लेषिकी (बिजनेस एनालिटिक्स)
अंतरराष्ट्रीय व्यापार, उद्यमिता, आपूर्ति श्रृंखला व लॉजिस्टिक्स, खुदरा प्रबंधन, बैंकिंग और बीमा
डिजिटल मार्केटिंग, पर्यटन व आतिथ्य प्रबंधन
इन विशेषज्ञताओं का प्रत्यक्ष उपयोग बिक्री-वृद्धि, लाभप्रदता, लागत-नियंत्रण, प्रतिभा-प्रबंधन, डेटा-व्याख्या, वैश्विक विस्तार और ग्राहक-अनुभव को बेहतर बनाने में होता है।

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका

सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि कार्यान्वयन-योग्य कौशल ही करियर को तीव्र गति देते हैं,यही आज के उद्योग मानक हैं। निम्नलिखित आवश्यक कौशल इस प्रकार हैं। प्रभावशाली लिखित/मौखिक संचार व प्रस्तुतीकरण, उन्नत स्प्रेडशीट/एमआईएस, मूल वित्तीय विश्लेषण, बजट/पूर्वानुमान, सीआरएम/ईआरपी जैसे व्यावसायिक उपकरणों की समझ, डेटा-आधारित सोच, व्यवसाय विश्लेषण की बुनियाद, बिक्री-वार्ता, ग्राहक-सम्बंध प्रबंधन, सेवा-उत्कृष्टता, परियोजना-प्रबंधन, समय-प्रबंधन, टीमवर्क व नेतृत्व, इंटर्नशिप/ लाइव-प्रोजेक्ट/ उद्योग-प्रमाणन, (गूगल/ मेटा/ टैली/ एक्सेल आदि)

उच्च अध्ययन के विकल्प

उच्च शिक्षा नेतृत्व-स्तरीय प्रगति, वैश्विक मानकों की विशेषज्ञता और करियर-गतिशीलता को गति देती है,बीबीए के बाद सही कार्यक्रम चुनना करियर-वृद्धि का गुणक सिद्ध होता है।

निम्नलिखित प्रमुख उच्च अध्ययन विकल्प इस प्रकार हैं। एम.बी.ए. (विपणन/वित्त/मानव, संसाधन/ संचालन/ व्यवसाय, विश्लेषिकी/ अंतरराष्ट्रीय व्यापार/उद्यमिता) पी.जी.डी.एम. (उद्योग-उन्मुख प्रबंधन), एम.कॉम. (लेखा/वित्त में गहनता), विधि स्नातक (एल.एल.बी.) – कॉर्पोरेट/ व्यापार कानून, व्यवसाय विश्लेषिकी/डेटा विज्ञान में पी.जी. कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रबंधन (एम.एच.आर.एम.), अंतरराष्ट्रीय व्यापार (एम.आई.बी.), हॉस्पिटैलिटी/ टूरिज़्म प्रबंधन सीए/ सीएस/ सीएमए जैसी व्यावसायिक योग्यताएं (पात्रता के अनुसार), लोक नीति/ विकास प्रबंधन/ सार्वजनिक प्रशासन में स्नातकोत्तर।

ले सकते हैं सलाह

- बीबीए कॉर्पोरेट नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और उद्यमशीलता की स्वर्ण-डोरी है,सही विशेषज्ञता, ठोस कौशल और अनुशासित निष्पादन के साथ आप उच्च-विकास निजी भूमिकाएँ, स्थिर एवं सम्मानजनक सरकारी सेवाएं और विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा,तीनों मार्गों पर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।
- **सुझाव:** किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.career-jaano.com**पर भी विजिट कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

कॉर्पोरेट जगत उच्च-प्रभाव, परिणाम-उन्मुख और ग्राहक-केंद्रित पेशेवरों की तलाश में है,बीबीए स्नातक ठीक इसी मांग को पूरा करते हैं। वे ब्रांड-वृद्धि, राजस्व-त्वरण, लागत-दक्षता और संचालन-उत्कृष्टता के माध्यम से संस्थान को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाते हैं।

निम्नलिखित "विशेषज्ञता-आधारित" भूमिकाएं इस प्रकार हैं।
1) विपणन/ डिजिटल/ खुदरा विपणन कार्यकारी, ब्रांड/ कैम्पेन सहायक, डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षु एसईओ/ सोशल मीडिया समन्वयक, सीआरएम कार्यकारी, माल-विक्रय योजनाकर्ता।
2) वित्त/ लेखा/ बैंकिंग-बीमा वित्तीय विश्लेषक प्रशिक्षु, लेखा सहायक, जीएसटी/कर सहायक ऋण-प्रसंस्करण/क्रेडिट समन्वयक, जोखिम-विश्लेषण सहायक, बीमा-अंडरराइटिंग सहायक
3) मानव संसाधन (एचआर) एचआर सहायक, भर्ती समन्वयक, पेरोल/कम्प्लायंस सपोर्ट प्रशिक्षण व विकास समन्वयक, कर्मचारी-संबंध कार्यकारी
4) संचालन/आपूर्ति श्रृंखला/ लॉजिस्टिक्स संचालन सहायक, गुणवत्ता आश्वासन सहायक, क्रय/ प्रोक्योरमेंट सहायक सप्लाई-चेन समन्वयक, इन्वेंट्री/ वितरण योजनाकर्ता
5) व्यवसाय विश्लेषिकी/ एमआईएस एमआईएस कार्यकारी, व्यवसाय विश्लेषण सहायक, रिपोर्टिंग/ डैशबोर्ड समन्वयक
विशेषज्ञता से स्वतंत्र "सामान्य" विकल्प (किसी भी बीबीए स्नातक हेतु) इस प्रकार हैं, ग्राहक सेवा कार्यकारी, इनसाइड-सेल्स/ एसडीआर, प्रशासनिक सहायक ई-कॉमर्स संचालन सहायक, प्रोजेक्ट समन्वयक कंटेंट/ कम्युनिकेशन समन्वयक, उद्यमिता/ स्टार्टअप समन्वयक।

आय-सीमा (निजी क्षेत्र)

- **फ्रेशर:** लगभग 3.0–5.5 लाख वार्षिक (स्थान/ क्षेत्र/ कंपनी पर निर्भर)
- अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 8–22 लाख वार्षिक; उच्च-विकास भूमिकाओं/एमएनसी/एमबीए पश्चात 25–30 लाख+ सम्भव

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

सरकारी सेवाएं स्थायित्व, सामाजिक प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक सुरक्षा का समन्वय हैं। बीबीए पृष्ठभूमि के छात्र प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय अनुशासन और संचालन-समझ के कारण अनेक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सशक्त दावेदारी रखते हैं।
निम्नलिखित प्रमुख परीक्षाएं/ विकल्प इस प्रकार हैं,
1) बैंकिंग व बीमा : एसबीआई/ आईबीपीएस पीओ व क्लर्क, आरआरबी ऑफिस असिस्टेंट एलआईसी/अन्य सरकारी बीमा उपक्रम,असिस्टेंट/प्रशासनिक अधिकारी
2) कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) : सीजीएल के अन्तर्गतः सहायक लेखा अधिकारी, आयकर सहायक, निरीक्षक/लेखीरीक्षण सहायक सीएचएसएल/अन्य स्नातक पदः डाक/कार्यालय सहायक, डेटा प्रविष्टि इत्यादि
3) संघ व राज्य लोक सेवा आयोग : सिविल सेवाएं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि), राज्य प्रशासनिक/वाणिज्यिक कर सेवाएं
4) रेलवे/ पीएसयू/ अन्य बोर्डः रेलवे एनटीपीसी/कार्यालय सुपरिंटेंडेंट, सार्वजनिक उपक्रमों में प्रशासनिक/वाणिज्यिक पद एफसीआई, ईएसआईसी, ईपीएफओ जैसे संगठनों में उपयुक्त स्नातक पद
5) रक्षा सेवाए : सीडीएस/ एएफसीएटी के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षण,नेतृत्व व राष्ट्र-सेवा का गौरवपूर्ण मार्ग लेफ्टिनेंट, आर्मी एजुकेशन कोर अफसर, अकाउंट अफसर एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर टेरीटोरियल आर्मी अफसर

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

प्रेशरः लगभग 3.5–7.5 लाख वार्षिक (आम तौर पर पे-लेवल 5–7)
अनुभवी/वरिष्ठः लगभग 9–20 लाख वार्षिक; उच्च सेवाओं/उच्च ग्रेड-पे में इससे अधिक, साथ में भत्ते/सुविधाएं

स्क्रीन टाइम कम करें, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को समृद्ध बनाएं

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का युग डिजिटल क्रांति का है, लेकिन स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन की चमक में खोकर हम अपने मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और जीवन के अनमोल पलों को नजरअंदाज कर रहे हैं। खासकर छात्रों के लिए, जो अपने भविष्य की नींव रख रहे हैं, स्क्रीन टाइम को सीमित करना और समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताना न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि जीवन को भी समृद्ध करता है। यह लेख हिंदी में छात्रों को प्रेरित करता है कि वे स्क्रीन की लत से बाहर निकलें और अपने मानसिक स्वास्थ्य व आत्म-विकास पर ध्यान दें। अत्यधिक स्क्रीन टाइम न केवल हमारी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता

सोशल मीडिया पर तुलना, साइबरबुलिंग, और लगातार ऑनलाइन बने रहने का दबाव छात्रों में तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता है। इसके साथ ही, स्क्रीन की नीली रोशनी नींद को प्रभावित करती है, जिससे एकाग्रता और उत्पादकता कम होती है। लेकिन अगर आप इस समय को नियंत्रित करें, तो आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

स्क्रीन टाइम से होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याए

तनाव और चिंता: परीक्षा का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ, और सोशल मीडिया पर दूसरों से तुलना छात्रों में चिंता को बढ़ाती है। स्क्रीन टाइम इस तनाव को और गहरा करता है।
अवसाद: लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से अकेलापन और आत्मसम्मान में कमी आती है, जो अवसाद का कारण बन सकता है।
एकाग्रता में कमी: लगातार नोटिफिकेशन्स और मल्टीटास्किंग के कारण पढ़ाई में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है।
नींद की कमी: देर रात तक स्क्रीन पर समय बिताने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है।
साइबरबुलिंग: ऑनलाइन ट्रोलिंग और नकारात्मक कमेंट्स आत्मविश्वास को कम करते हैं और भावनात्मक तनाव को बढ़ाते हैं।

स्क्रीन टाइम कम करने के फायदे

स्क्रीन टाइम को सीमित करके आप अपने मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को कई तरह से बेहतर बना सकते हैं।
बेहतर एकाग्रता: स्क्रीन से दूरी बनाकर आप पढ़ाई और अन्य कार्यों में अधिक ध्यान दे पाएंगे।
मानसिक शांति: योग और ध्यान तनाव को कम करते हैं और दिमाग को शांत रखते हैं।
स्वस्थ जीवनशैली: स्क्रीन टाइम की जगह योग, व्यायाम, और प्रकृति के साथ समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।
नए कौशल का विकास: खाली समय में आप कोई नया कौशल जैसे कोडिंग, लेखन, या कोई वाद्य यंत्र सीख सकते हैं।
मजबूत रिश्ते: परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने से भावनात्मक समर्थन मिलता है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

जीवन को बेहतर बनाने के उपाय

समय सीमा तय करें: रोजाना स्क्रीन टाइम को 1-2 घंटे तक सीमित करें। फोन पर टाइमर या ऐपलिमिटर का उपयोग करें।
स्क्रीन-फ्री ज़ोन: पढ़ाई का स्थान और बेडरूम को स्क्रीन-फ्री रखें। सोने से पहले फोन का उपयोग बंद करें।
योग और ध्यान अपनाएं : सुबह 10-15 मिनट सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, या मेडिटेशन करें। यह तनाव कम करता है और एकाग्रता बढ़ाता है।
नए कौशल सीखें: अपने समय को रचनात्मक कार्यों में लगाएं, जैसे कोई भाषा सीखना, पेंटिंग, या डिजिटलस्किल्स। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और भविष्य के लिए उपयोगी है।
परिवार के साथ समय: परिवार के साथ भोजन करें, बातचीत करें, या कोई खेल खेलें। यह अकेलेपन को कम करता है और रिश्तों को मजबूत करता है।
प्रकृति के करीब जाएं: पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय बिताएँ। यह मानसिक तनाव को कम करता है।
परामर्श लें: अगर तनाव या अवसाद लगे, तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें।
छोटे कदम, बड़े बदलाव : स्क्रीन टाइम कम करना शुरू में मुश्किल लग सकता है, लेकिन छोटे कदमों से आप इसे आसानी से हासिल कर सकते हैं। हर दिन एक घंटा कम स्क्रीन टाइम का मतलब है हर हफ्ते 7 घंटे आपके पास योग, पढ़ाई, परिवार, या नए कौशल के लिए। यह समय आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और आपके सपनों को हकीकत में बदलने में मदद करेगा। छात्र जीवन आपके भविष्य का आधार है। स्क्रीन की चमक में खोने के बजाय, अपने समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताएँ। यह न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करेगा, बल्कि आपको एक संतुलित, सुखी, और सफल जीवन की ओर ले जाएगा। आज से ही शुरुआत करें अपने फोन को एक तरफ रखें, गहरी सांस लें, और अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाएं। आपका दिमाग और आपका समय आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं, इनका सही उपयोग करें।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

साढ़े पांच लाख की ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

सिरसा। साइबर थाना सिरसा पुलिस ने करीब साढ़े पांच लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रबंधक उप निरीक्षक सुभाष ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों की पहचान लुधियाना निवासी राजेंद्र सिंह व नजनीत जोशी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सिरसा जिले के गांव तलवाड़ा खुर्द निवासी कुशलप्रीत सिंह की शिकायत पर साइबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था।

जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताएं 13 से

फतेहाबाद। जिला बाल कल्याण परिषद् द्वारा स्थानीय बाल भवन में 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं का जिला स्तर पर विभिन्न ग्रुपों में आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर की इन 40 प्रकार की विभिन्न प्रतियोगिताओं में कक्षा प्रथम से कक्षा 12वीं तक के स्कूली विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। जिला बाल कल्याण अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि विभिन्न स्कूली बच्चों के लिए एकल नृत्य, ग्रुप नृत्य, एकल गान, ग्रुप गान, फैन्सी ड्रैस, वेस्ट ड्रामेबाज, कार्ड मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, प्रश्नोतरी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, दिया/कैन्डल डैकोरेशन, स्कैचिंग ऑन द स्पाट आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

पाली गांव में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

नारनौंद। गांव पाली में बीती रात करीब 12 बजे एक दर्दनाक हादसे में छह पशुओं की जान चली गई। गांव निवासी भूप सिंह के पशु बरामदे में अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिससे पूरा बरामदा आग की लपटों में घिर गया। हादसे के वक्त घर मालिक भूप सिंह अपने दूसरे घर में सो रहे थे। आग लगने की सूचना आसपास के लोगों ने फोन कर दी। ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड व नारनौंद थाना पुलिस को सूचना दी। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया, तब तक भारी नुकसान हो चुका था।

सेम का पानी पीकर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे ग्रामीण

जल संकट: ठुईयां में तीन साल से अधर में लटका जलघर का निर्माण

- लोग पानी खरीदकर पीने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

कभी गांव ठुईयां चार अन्य गांवों को पीने का पानी उपलब्ध कराता था, लेकिन आज खुद गांव के हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि गांव में हर घर में लोग पानी खरीदकर पीने को मजबूर हैं। गांव ठुईयां में पिछले तीन वर्षों से नया जलघर अधर में लटका हुआ है। इसके चलते यहां के ग्रामीणों को पीने के लिए सेम यानि खारे और दूषित पानी का सहारा लेना पड़ रहा है। जो लोग आर्थिक रूप से सक्षम हैं, वे कैंपर का पानी खरीदते हैं, लेकिन बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं, जो रोजाना पानी नहीं खरीद सकते, उन्हें मजबूरी में वही दूषित पानी पीना पड़ता है। इससे लोग अनेक जलजनित बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 1977 में जब चौधरी देवीलाल मुख्यमंत्री थे, तब ठुईयां गांव में एक जलघर का निर्माण हुआ था। यह जलघर ढाबी खुर्द, ढाबी कलां, जांडवाला और ठुईयां सहित चार गांवों को पीने का पानी सप्लाई करता था, परंतु आज वही जलघर खुद गंदे पानी का स्रोत बन चुका है। ग्रामीणों भीम सिंह, नथूराम, महावीर कालीरावण, सरवन कुमार, सज्जन बेनीवाल और ओमप्रकाश मल्हान ने बताया कि जलघर की पुरानी टंकियों में जल स्तर नीचे चला गया है और अब वहां से सप्लाई होने वाला पानी सीधा सेम से उठाया जा रहा है, जो बेहद गंदा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि हर परिवार को कम से कम दो पानी के कैंपर रोजाना खरीदने पड़ते हैं, जिससे हर महीने औसतन 1200 रुपये खर्च आता है। हैरानी की बात यह है कि इसके बावजूद ग्रामीणों को जलघर से आने वाले गंदे पानी का बिल भी भरना पड़ता है।

सिरसा। भट्टूकलां। गांव ठुईयां स्थित जलघर। फोटो : हरिभूमि

सरपंच बोले - कई बार अधिकारियों को करवाया अवगत

गांव के सरपंच सुरेश मल्हाण ने बताया कि उन्होंने कई बार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विभाग की कार्यप्रणाली में भारी ढिलाई और उदासीनता दिखाई दे रही है। जब इस बारे में जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सतपाल रोहज से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला। इस बारे में निर्माण के ठेकेदार राय सिंह ने बताया कि घरेलू परिस्थितियों में बिजी होने के कारण मैं इस समय कुछ नहीं बता सकता।

आंदोलन की दी चेतावनी

ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से जल्द से जल्द जलघर का निर्माण कार्य पूरा कराने और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। वे चेतावनी दे रहे हैं कि अगर स्थिति शीघ्र नहीं सुधरी तो उन्हें सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

विद्यार्थियों ने कला का किया प्रदर्शन

राज्य स्तरीय समूहगान स्पर्धा में छाए डीपीएस के छात्र

- प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

दिल्ली पब्लिक स्कूल की टीम ने भाविप द्वारा चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के राज्य स्तरीय चरण में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय तथा जनपद का मान बढ़ाया। प्रधानाचार्या रमा दहिया ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि डीपीएस के विद्यार्थी निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हैं। यह उपलब्धि इस तथ्य का प्रमाण है कि जब परिश्रम, अनुशासन और निष्ठा का संगम होता है, तब सफलता स्वतः प्राप्त होती है। हमारे विद्यार्थियों ने न केवल विद्यालय का, बल्कि स पूर्ण सिरसा जनपद का गौरव बढ़ाया है।विद्यालय के संगीत शिक्षक देवजीत मित्तवा ने कहा कि इन बाल कलाकारों में संगीत के प्रति जो समर्पण, श्रवण-संवेदन और साधना का भाव है, वही इन्हें सफलता के शिखर तक ले गया है।

सिरसा। राज्य स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता में प्रथम रही डीपीएस की टीम।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कार्यक्रम

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मनाया राष्ट्रीय पोषण माह

- विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिओं का किया आयोजन

ओढां। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, ओढ़ा में आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं आठवें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और संतुलित आहार के महत्व को समझाना था। विद्यालय की काउंसलर प्रीति ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य उतना ही आवश्यक है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। हमें अपने विचारों को सकारात्मक रखते हुए तनाव-मुक्त जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। काउंसलर शैलेंद्र ने बताया कि इस तरह की समस्याओं को छुपाए नहीं, पीड़ित व्यक्ति को संबंधित विशेषज्ञ से मिलना चाहिए। ऐसी समस्या किसी को भी हो सकती है, इसलिए इसे मजाक न बनाए। पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्लोगन लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण और कहानी वाचन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

राजकीय कॉलेज में खेल प्रतियोगिता 16 से

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 17-18 अक्तूबर को किया जाएगा। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि इसी श्रृंखला में शुक्रवार को लड़कों की 10 किलोमीटर व लड़कियों की तीन किलोमीटर दौड़ का आयोजन करवाया गया। उपप्राचार्य डॉ. हरविंद्र सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. गुरनाम सिंह, डॉ. बलदेव सिंह, डॉ. राजकुमार व खेलकूद निर्णायक मंडल डॉ. कर्मजीत कौर, रमेश कुमार, सीताराम, सतपाल ने हरी झंडी दिखाकर टीमों को रवाना किया। डॉ. बलदेव सिंह ने बताया कि 16-17 को होने वाली 68वीं खेलकूद प्रतियोगिता के पहले दिन ओलंपियन नवजोत कौर व समापन समारोह में डॉ. सुदेश कंबोज शिरकत करेंगे।

हरियाणा स्टेट पेंशनर्स की मासिक बैठक

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन हो आयकर मुक्त : सैनी

सिरसा। हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक शुक्रवार को स्थानीय श्री गौशाला में हुई। प्रदेश उप प्रधान गुरदीप सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज सिरसा की मासिक बैठक में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर ने एयू बैंक से आए पंकज चावला ने सेवानिवृत्ति कर्मचारी, सीनियर सिटीजन के लिए बैंक द्वारा जारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। बैंक की तरफ से उपस्थित सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को घड़ी और पेन देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन राजकुमार खूंगर ने किया। इस अवसर पर श्रीराम निरणियां, जगमिंद्र सिंह, केवल कृष्ण सोनी, राम किशन, बलवंत सिंह, रामेश्वर लाल, बाज सिंह, रघुबीर सिंगला, फतेह सिंह विर्क, मंगत राम, कुलवंत सिंह, इकबाल सिंह, सुभाष मदान, महेंद्र स्वामी, सुशील बागड़ी, जनक राज, मान सिंह गोदारा आदि मौजूद रहे।

सिरसा। बैठक में भाग लेते पेंशनर्स।

संत शिरोमणि नामदेव की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना प्राथमिकता : वर्मा

- 26 को हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर विवि के ऑडिटोरियम में समारोह का आयोजन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

संत शिरोमणि नामदेव महाराज की जयंती पर 26 अक्टूबर को हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को संत शिरोमणि श्री नामदेव सभा कार्यालय, डीसी कॉलोनी फतेहाबाद में छिंपा, छिंबी, रोहिल्ला व दर्जी समाज के लोगों की बैठक हुई। इस दौरान पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष सतबीर सिंह वर्मा ने बताया कि समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा सहित कई मंत्री, विधायक व गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए समाज के प्रमुख लोगों के साथ बैठक की गई, जिसमें प्रदेशाध्यक्ष सतबीर वर्मा, रामअवतार कश्यप, सत्यवान किरोड़ी आदि ने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता और समरसता को बढ़ावा देना है। साथ ही संत नामदेव जी के जीवन व शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना भी प्राथमिकता है।

भूना। पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा का स्वागत करते हुए सभा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

दुरुपयोग पर लगेगा अंकुश

पोर्टल पर पंजीकरण के बाद ही किसानों को मिलेगी खाद

फतेहाबाद। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा ने पंचकूला में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद सभी जिलों में मेरी फसल मेरा ब्योरा (एमएफएमबी) पोर्टल को एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली यानि आईएफएमएस के साथ एकीकृत करने की शुरुआत कर दी है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य सरकारी सब्सिडी वाले उर्वरकों के वितरण में पारदर्शिता और दक्षता लाना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल पंजीकृत किसानों को ही यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की आपूर्ति प्राप्त हो।

कार्रवाई की गई

उपायुक्त ने बताया कि एमएफएमबी को आईएफएमएस से जोडने से उर्वरक वितरण में अधिक जवाबदेही और नियंत्रण आएगा। उन्होंने कहा कि इस एकीकरण से यह सुनिश्चित होगा कि उर्वरक केवल हरियाणा राज्य के पंजीकृत किसानों को ही उपलब्ध कराए जाए और गैर कृषि या औद्योगिक उद्देश्यों के लिए उर्वरकों के उपयोग को रोका जा सके। पहले की प्रणाली के तहत आधार कार्ड का उपयोग करके कोई भी व्यक्ति उर्वरक खरीद सकता था जिससे संभावित दुरुपयोग और अन्य उपयोग की संभावना बनी रहती थी।

डॉ. शत्रुजीत सिंह ने संभाला महिला महाविद्यालय के प्राचार्य का कार्यभार

- 24 वर्षों से इतिहास के प्राध्यापक के रूप में दी सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

डॉ. शत्रुजीत सिंह ने शुक्रवार को राजकीय महिला महाविद्यालय का प्राचार्य पद ग्रहण किया। महाविद्यालय के स्टाफ सचिव डॉ. यादविंदर सिंह ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकुला, हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार डॉ. शत्रुजीत सिंह को राजकीय महिला महविद्यालय सिरसा के प्राचार्य पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. सिंह ने लगभग 24 वर्षों से उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा में बतौर इतिहास विषय के प्राध्यापक रहते हुए हरियाणा के भिन्न भिन्न (राजकीय महाविद्यालय भट्टू, लोहारू, फरीदाबाद, टोहाना, सिरसा, ऐलनाबाद व रानियां) महाविद्यालयों में अपनी सेवाएं दी हैं व वर्तमान में राजकीय कन्या महविद्यालय, रानियां से प्राचार्य पद पदोन्नति होने उपरांत राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में बतौर प्राचार्य पद ग्रहण किया। डॉ. सिंह अध्यापन कार्य के अतिरिक्त एक प्रखर शिक्षाविद, शोधकर्ता एवं लेखक के रूप में भी जाने जाते हैं।

उन्होंने अब तक अनेक शोधपत्रों एवं

सिरसा। नवनियुक्त प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह को बधाई देते शिक्षकगण।

बिजली कर्मचारियों का धरना 5वें दिन भी जारी

सिरसा। सिटी सब डिवीजन में कार्यरत दो जेई के तबादले से उद्वेलित सब डिवीजन कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन 5वें दिन भी जारी रहा। यूनियन ने बताया गया कि एसडीओ सिटी ने द्वेष भावना व सिर्फ दबाव का बोलकर अनैतिक तरीके से राजेश जेई व मदन लाल जेई को रिलीव किया गया है। उन्होंने चेतावदी दी कि जब तक दोनों अधिकारियों के रिलिविंग आर्डर कैंसिल नहीं किए जाते, तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। इससे अगर किसी प्रकार की औद्योगिक शांति भंग होती है तो उसकी पूर्ण जिमेदारी एसडीओ सिटी की होगी। धरने पर सतिंदर मोंगा, सुरेश मंगल, देवीलाल बिरड़ा, सीताराम, श्यामलाल, सत्यदेव, कुलदीप सोनी, राकेश कुमार, उमाशंकर, रामपाल, रमेश, मुकेश, मदन, तारा राम, सुभाष फौजी, राजेश कसवां, कुलदीप जांगड़ा, मोना सिंह, विजय सैनी आदि कर्मचारी मौजूद थे।

सिरसा। मांगों को लेकर धरने पर बैठे बिजली कर्मचारी।

शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ समय पर करें निपटान: उपायुक्त

- उपायुक्त ने समाधान प्रकोष्ठ की साप्ताहिक समीक्षा बैठक को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर में जो शिकायतें आए, उन पर कार्यवाही करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी मौके का निरीक्षण भी करें ताकि शिकायत के संबंध में सही जानकारी के साथ समाधान किया जा सके। उपायुक्त शुक्रवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में समाधान प्रकोष्ठ की साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आई शिकायतों की सरकार के स्तर पर भी समीक्षा की जाती है और हर शुक्रवार को उच्च अधिकारी जिले से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि शिकायत का उचित समाधान करने का प्रयास किया जाए ताकि शिकायत को रिओपन न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जो शिकायत कई विभागों से संबंधित है, उसे मुख्य एक विभाग को न भेज कर सभी से रिपोर्ट ली जाए।

सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान

उपायुक्त सफाई व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान रखा जाए। उपायुक्त ने पंचायत, बिजली निगम, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग से जुड़ी एक-एक शिकायत की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो शिकायतें लंबित हैं, उनकी मॉनिटरिंग संबंधित विभाग के उच्च अधिकारी भी करें ताकि समय पर उचित समाधान हो सके। उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविर में आई 7028 शिकायतों में से 5837 का समाधान किया जा चुका है।

श्री सुभाष चन्द्र नायब तहसीलदार कम सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी, डबवाली।
जसमन सिह बनाम बाबू राम वगैरा। दरखास्त तकसीम भूमि।
बनाम - 1 सुखदेव सिहं पुत्र नारायण सिहं पुत्र साहिबदित्ता सिहं 2 प्रकाश रामा पुत्र नवरा राम पुत्र जैसा राम 3 फूल चन्द पुत्र रघुवीर चन्द पुत्र रौनक राम 4 भगवान दास पुत्र रघुवीर चन्द पुत्र रौनक राम 5 पुरषोतम दास पुत्र रघुवीर चन्द लक्ष्मी देवी पुत्री रघुवीर चन्द 7 कौशल्या देवी पुत्री रघुवीर चन्द 8 सरोज रानी पुत्री रघुवीर चन्द 9 सुखमेल कौर पानी गुरचरण सिंह पुत्र मेहर सिहं 10 जगतार सिह पुत्र जगदेव सिंह पुत्र नारायण सिंह 11 भाग सिहं पुत्र जीत सिंह पुत्र मेहर सिहं 12 मतकीयत कौर विधया जीत सिहं पुत्र महर सिंह 13 गुरदीप कुमार पुत्र बखतावर मल पुत्र नन्द सिह 14 राजवीर कौर पुत्री महिन्द्र सिह पुत्र कोर सिहं 15 जसविन्द्र कौर पुत्री महिन्द्र सिहं 16 सन्दीप सिहं पुत्र गुरराज सिंह पुत्र मखत्यार सिह 17 जसकरण सिंह पुत्र गुरराज सिंह 18 सिकन्दर सिंह पुत्र दलजीत सिंह पुत्र मुखत्यार सिहं 19. सिमरजीत कौर पत्नी गुरप्यार सिंह पुत्र मिठू सिंह 20. सिमरजीत कौर प्रविन्द्र सिहं पुत्र अमरजीत सिहं 21. सर्बजीत कौर उर्फ सुरजीत कौर कौर पुत्री जय सिंह पुत्र पाली सिहं 22 सुरिन्द्र कौर पुत्री जय सिंह पुत्र पानी सिह 23 मुखत्यार सिहं पुत्र पाली सिंह पुत्र रोडा सिंह 24 नसीब कौर पुत्री कौर सिंह पुत्र शेर सिहं 25 मनजीत कौर पुत्री कौर सिंह पुत्र शेर सिहं 26. कुलविन्द्र सिहं पुत्र जगदेव सिहं पुत्र गुरबचन सिहं 27 विरेन्द्रपाल कौर पत्नी बलजिन्द्र सिंह पुत्र बलदेव सिहं 28 जोगिन्द्र सिहं पुत्र करनैल सिंह पुत्र बदन सिहं 29 महिन्द्र सिंह पुत्र करनैल सिहं 30 प्रसन्नी देवी माता सुखदेव सिहं 31 बलजीत कौर विधवा सुखदेव सिंह पुत्र करनैल सिंह 32. सुरतपाल सिहं पुत्र सुखदेव सिहं पुत्र करनैल सिहं 33 सिमरजीत कौर पुत्री सुखदेव सिंह 34 हुसनप्रीत कौर पुत्री सुखदेव सिहं 35 बखतौर सिहं पुत्र अजमेर सिंह पुत्र बदन सिंह 36 सुरजीत कौर माता जलौर सिहं पुत्र अजमेर सिहं 37 परमजीत कौर विधवा जलौर सिंह 38 सुखपाल सिहं पुत्र जलौर सिहं 39 सुरजीत सिंह पुत्र नाजम सिंह पुत्र सम्पूर्ण सिंह 40 मुखत्यार सिंह पुत्र सन्ता सिंह पुत्र फता सिहं 41 अजेयब सिंह पुत्र जीता सिह जवाहर सिहं 42 कर्म सिहं पुत्र जीता सिहं 43 सोहन सिंह पुत्र जग सिंह पुत्र बजीर सिहं 43 जगसीर सिहं पुत्र राम सिहं पुत्र जंग सिहं 44 वीरपाल कौर विधया जसपाल सिह पुत्र निधान सिहं 45 प्रगट सिंह पुत्र जसपाल सिहं 46 सतनाम सिंह पुत्र जसपाल सिहं 47 प्यारा सिहं पुत्र सोहन सिहं पुत्र जंग सिंह 48 जग्गा सिहं पुत्र सोहन सिंह 49 तेजा सिहं पुत्र सोहन सिहं 50. संदोप सिंह पुत्र जगसीर सिंह पुत्र राम सिहं 51 गुरदीप कौर विधवा पाल सिंह उर्फ किरपाल सिहं पुत्र बचन सिहं 52 गुरजिन्द्र कौर पुत्री पाल सिहं 53 जगसीर सिह पुत्र तोता सिहं पुत्र फुमन सिहं 54 मुखत्यार कौर विधवा मिठू सिहं पुत्र बचन सिहं 55 परमजीत सिहं पुत्र आत्मा सिहं पुत्र पाल सिंह उर्फ कृपाल सिंह 56 हरविन्द्र कौर पत्नी बलविन्द्र सिहं पुत्र मिठु सिहं वासीगण गांव जोगेवाला 57 रमेश कुमार पुत्र डिप्टी राम पुत्र मोती राम 58 दीपक कुमार पुत्र दर्शन कुमार पुत्र डिप्टी राम 59 सुनील कुमार पुत्र दर्शन कुमार 60 हरबन्स कौर पुत्री गुरबचन सिंह पुत्र साहिब दित्ता वासीगण गांव जोगेवाला ता डबवाली जिला सिरसा। प्रार्थीगण ने दरखास्त वास्ते किये जाने तकसीम भूमि बतफसील खेवट नं 437, खतौनी नं0 541 ता 564, किते 147 कुल रकबा 916 कनाल 13 मरले बरुये जमाबन्दी साल 2017-18 मय इंतकाल नं0 3665 3684, 3685, 3692, 3696, 3703, 3735, 3740, 3751, 3774 वा 3777 वाक्या गांव जोगेवाला त० डबवाली जिला सिरसा अनुसार जमाबन्दी साल 2017-18 इस न्यायालय में दायर की है। अगर इस बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 23/10/25 को मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना दावा या उजर पेश कर सकता है। आज दिनांक 06/10/25 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी किया गया है।
सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी डबवाली

डॉ. सरोजिनी नायडू अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित

सिरसा। विभिन्न कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली कामकाजी महिलाओं के सम्मान में डॉ. सरोजिनी नायडू अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इंटरनेशनल चेंबर ऑफ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और इंटरनेशनल विमेंस फिल्म फार्म द्वारा स्थापित इस पुरस्कार से उन महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट कार्य के माध्यम से समाज में विशेष पहचान बनाई है। यह पुरस्कार प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, कवयित्री डॉ. सरोजिनी नायडू के नाम पर दिया जाता है। नामांकन के लिए उम्मीदवार स्वयं या उनके परिवार, सहयोगी अथवा संस्था द्वारा आवेदन किया जा सकता है।

कार्यक्रम: सीडीएलयू में ऑनलाइन इंडस्ट्री एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

नेशनल शिक्षा नीति 2020 विषय पर डॉ. अमित ने प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किए

साइबर सुरक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के आईक्यूएसी एवं करियर काउंसलिंग एंड इंडस्ट्री सेल द्वारा शुक्रवार को सेक्यूरिंग द डिजिटल असेस्ट्स विद एआई-टैक्टिस एंड टेक्नोलॉजीज विषय पर ऑनलाइन इंडस्ट्री एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। सीडीएलयू के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जर्मनी से ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट वैभव शर्मा ने साइबर सुरक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, डेटा सुरक्षा, एथिकल चुनौतियों तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रो. कपिल ने ऐसे कार्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये शिक्षाविदों और उद्योग जगत के बीच सेतु का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में रीयल-लाइफ केस स्टडीज़ एवं इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र ने प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध किया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसके अलावा सीडीएलयू के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा एक ऑनलाइन एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में फिजिकल लिटरेसी एवं नेशनल शिक्षा नीति 2020 विषय पर डॉ. अमित मलिक ने अपना सारगर्भित एवं प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता डॉ. मलिक ने कहा कि फिजिकल लिटरेसी का खेल नीति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने यह भी बताया कि एन.ई.पी. 2020 की स्पोर्ट्स पॉलिसी के अध्ययन के लिए उन्होंने विदेशी विद्वानों के साथ भी विचार-विमर्श किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने इस ऑनलाइन एक्सटेंशन लेक्चर को अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी बताया।

शैक्षणिक संसाधनों की दी जानकारी

इसके अतिरिक्त सीडीएलयू के विवेकानंद पुस्तकालय में इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड एलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (आईईईई) एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. मोनिका वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विजय कुमार के दिशा निर्देशन में छात्रों एवं शिक्षण कर्मचारियों को व्यवहारिक रुप से दक्ष करने के लिए यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करना एवं डिजिटल संसाधनों की उपयोगिता से अवगत करवाना था। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन स्कीम के बारे ने जागरूकता फैलाना भी था। इस कार्यक्रम में आईईईई के सीनियर ट्रेनिंग मैनेजर रितेश कुमार ने प्रतिभागियों को आईईईई द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे शैक्षणिक संसाधनों की जानकारी दी। उन्होंने इन संसाधनों के प्रयोग, विशेषताएँ एवं भविष्य में उनके संभावित लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया।

खबर संक्षेप

किशोरावस्था शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 से

सिरसा। डाइट डिंग प्रभारी सुरेंद्र सिंह नूनिया ने बताया कि जिले के समस्त विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्यों, मुख्याध्यापकों एवं प्रत्येक विद्यालय से चयनित एक महिला एवं एक पुरुष अध्यापकों के लिए किशोरावस्था शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 13 अक्टूबर से राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेला ग्राउंड में शुरू किया जाएगा।

अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

ओढां। माता हरकी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओढ़ा में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन के अवसर पर महिलाओं व माताओं के लिए करवा चौथ समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में माता हरकी देवी संस्थान की प्रबंध निदेशक डॉ कुलदीप कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस समारोह में माता हरकी देवी महाविद्यालय की छात्राओं व माता हरकी देवी विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया।

महंत राजनाथ योगी हादसे में बाल-बाल बचे

फतेहाबाद। भट्टू क्षेत्र के गांव ठुइयां के पास शुक्रवार को हुए हादसे में गोरखनाथ धुना गोशाला के महंत राजनाथ योगी और उनके चार अनुयायी बाल-बाल बच गए। महंत राजनाथ अपने अनुयायियों के साथ राजस्थान जा रहे थे कि रास्ते में ठुईयां के समीप उनकी गाड़ी का एक्सल टूट गया। मिली जानकारी के अनुसार, गोरखनाथ धुना गोशाला गोरखपुर के महंत राजनाथ योगी अपने चार-पांच अनुयायियों के साथ एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित गोगामेड़ी जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बोलेरो गाड़ी गांव ठुइयां के पास अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

पुलिस ने उद्घोषित अपराधी को दबोचा

फतेहाबाद। फरार एवं बेल जंप करने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पीओ स्टाफ फतेहाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बेल जंपर आरोपी मुकेश पुत्र सरवन निवासी चक 1/आरपी रत्तनपुरा को काबू किया है।

सीएससी सेंटर संचालक के साथ साइबर ठगी

फतेहाबाद। फतेहाबाद में एक सीएससी सैंटर संचालक साइबर ठगी का शिकार हो गया। नरेश कुमार ने कहा है कि वह फतेहाबाद में पुराने बस स्टैण्ड में जय दुर्गा सीएससी सैंटर चलाता है। उसके पास टेलीग्राम पर शिवानी एस के नाम से मैसेज आ रहे थे। मैसेज में कहा गया था कि इनवेस्ट करोगे तो उसको 3 हजार से 6 हजार तक कमीशन मिलेगा। इस पर वह इनवेस्ट करने के लिए राजी हो गया। फिर उसके साथ ठगी कर ली। इस मामले में साइबर थाना पुलिस जांच कर रही है।

अखिल भारतीय किसान सभा के आह्वान पर प्रदर्शन का नेतृत्व जिला प्रधान विष्णुदत्त ने किया

खाद, मुआवजा व एमएसपी को लेकर फतेहाबाद व भट्टू में सड़कों पर उतरे किसान, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमें दर्ज करने का विरोध, 5 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भट्टूकलां। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते किसान। अतिरिक्त उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए किसान सभा के पदाधिकारी

बिना शर्त किसानों को डीएपी खाद मुहैया करवाने, फसलों की एमएसपी पर खरीद व बरसात से खराब हुई फसलों के मुआवजे सहित अन्य मांगों को लेकर सैंकड़ों किसानों ने आज फतेहाबाद व भट्टूकलां में सडक़ों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय किसान सभा के आह्वान पर किए गए इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिला प्रधान विष्णुदत्त ने किया। फतेहाबाद में तहसील प्रधान पतराम ढाणी ईशर के नेतृत्व में किसानों ने एडीसी को मांग पत्र सौंपा। इस मौके जिला प्रधान विष्णु दत्त, तहसील सचिव ओमप्रकाश फगेडिया, धर्मपाल फौजी, डॉ पृथ्वी सिंह बाना के साथ बुरी तरह से सेमग्रस्त बड़ोपल गांव से हंसराज, सुशील, राजेंद्र, सतबीर, सुरेश, भगवान दास, कुलदीप, राजेश, राधेश्याम आदि किसान शामिल रहे। इसके अलावा भट्टू मण्डी में प्रदर्शन करते हुए किसान तहसील कार्यालय पहुंचे और नायब तहसीलदार को कृषिमंत्री, हरियाणा सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमें दर्ज करने की बजाय पराली प्रबंधन के लिए किसानों को 5 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता दी जाए।

सेम के कारण किसान पहले से परेशान

किसानों के प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि जिले में एक बड़ा हिस्सा सेम की समस्या से प्रभावित है। जहां मजबूरी में किसानों द्वारा धान बोया जाता है जबकि मूंगा के गोरखपुर से लेकर भट्टूकलां का ज्यादातर हिस्से में कपास, मूंगफली, धान, ग्वार की खेती होती है। इस क्षेत्र में सेम और भारी बरसात के बाद हुए जलभराव के कारण फसलें बर्बाद हो चुकी है। किसानों की जो थोड़ी बहुत फसल बच गई थी, उसका भी अब मण्डियों में सही भाव नहीं मिल रहा है। इस कारण किसान लगातार कर्ज की गर्त में फंसता जा रहा है।उन्होंने कहा कि ज्यादा बरसात के कारण धान की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है और क्वालिटी में गिरावट आई है। कई तरह के रोग जैसे बोना रोग, डोडी रोग से भी फसल को नुकसान है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रहे किसानों के सामने अब अगली फसल बोने की समस्या खड़ी हो गई है वहीं किसानों को डीएपी के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही है। किसान सभा ने मांग की है कि अगली बिजाई के लिए बिना कोई शर्त के किसानों को डीएपी खाद को-ऑपरेटिव सोसाइटियों के माध्यम से वितरित की जाए। खाद की कालाबाजारी और खाद के अन्य जबरदस्ती अन्य सामान देने वाले विक्रेताओं पर सख्त एक्शन लिया जाए। नरमा, कपास, धान, मूंगफली व बाजरी की खरीद एमएसपी पर सुनिश्चित की जाए। बरसात से हुए जलभराव से खेतों में जमा पानी की तुरंत निकासी करवाई जाए। खराब फसलों का प्रति एकड़ 50 हजार रुपये मुआवजा बिजाई से पहले दिया जाए। बरसात से हुई मृत्यु पर 10 लाख मुआवजा, मकान गिरने पर पुर्ननिर्माण के लिए 4 लाख व रिपेयर के लिए 2 लाख की आर्थिक सहायता दी जाए।

डीएम हैफेड को ज्ञापन सौंपते समिति के पदाधिकारी।

धान की फसल खरीद पर समितियों का कमीशन घटाने पर जताया रोष

सिरसा। धान की फसल खरीद पर समितियों का कमीशन घटाने पर दि रानियां सहकारी विपणन एवं प्रसाधन समिति ने शुक्रवार को रोष प्रदर्शन किया व डीएम हैफेड, सिरसा को एक ज्ञापन सौंपा। समिति के प्रधान जगजीत सिंह ने बताया कि हैफेड के अंतर्गत प्रदेश में मंडी स्तर पर 69 सहकारी विपणन समितियां कार्यरत हैं, जो मंडियो में किसानों की फसल खरीदने व किसानों को खाद बीज उपलब्ध कराने का कार्य करती है। इसके लिए इन समितियों को हैफेड द्वारा गेहूं फसल खरीद पर 1.33 रुपए प्रति क्विंटल की दर से कमीशन मिलता है तथा धान फसल की खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का 0.25 प्रतिशत की दर से कमीशन मिलता है, जो 5.80 रुपए प्रति क्विंटल बनता है। उन्होंने बताया कि समितियां पिछले कई वर्षों से गेहूं की फसल पर मिलने वाले कमीशन 1.33 रुपए में बढ़ोतरी की मांग कर रही थी, किंतु हैफेड के प्रबंध निदेशक ने गेहूं पर कमीशन बढ़ाने की बजाय 29 सितंबर 2025 को एक आदेश जारी करके धान की खरीद पर मिलने वाले कमीशन 5.80 रुपए प्रति क्विंटल को घटाकर 1.33 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया हैं। इसे लेकर प्रदेश भर की सहकारी विपणन समितियों में भारी रोष है। उन्होंने बताया कि हैफेड के प्रबंध निदेशक के नाम से एक ज्ञापन समिति में सौंपा।

मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सफलता का आधार

- पीएम श्री जेएनवी खारा खेड़ी में स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। पीएम श्री जेएनवी खारा खेड़ी में मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्तागण।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्टाफ में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जीवन में सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. नरेश जागलान ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सफलता और संतुलन का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव और चिंता से निपटने के व्यावहारिक उपाय बताते हुए कहा कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज की पहचान है। डॉ. नरेश जागलान ने आधुनिक जीवनशैली, सोशल मीडिया के प्रभाव, परीक्षा के दबाव और पारिवारिक अपेक्षाओं जैसे मुद्दों पर विद्यार्थियों से खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को लेकर संवाद करना, सहायता लेना और सकारात्मक रहना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों ने भी उनसे अनेक प्रश्न पूछे जिनका उन्होंने अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से उत्तर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को आत्मबल और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

उप-प्राचार्य अखिलेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी भावनाओं को व्यक्त करें, संवाद को प्राथमिकता दें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इस मौके पर अध्यापक मनीष देव, सुदेश कुमार सहित सभी शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

स्कूल में मनाया करवा चौथ का व्रत

- महिला शिक्षकों ने पारंपरिक पूजा में श्रद्धा से हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

भट्टूकलां। स्कूल में करवा चौथ पर पूजा करती महिला स्टाफ सदस्य।

गांव खाबड़ा कलां स्थित पीडी मैमोरियल कॉन्वेंट स्कूल में करवाचौथ का व्रत मनाया गया जिसमें पारंपरिक पूजा और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल थी। स्कूल प्रधानाचार्या अनिता गिजरोईया व डायरेक्टर साधुराम जाखड़ ने बताया कि करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व हैं जो प्राचीन काल से चलता आ रहा है।

करवा चौथ व्रत को रखने के लिए पूरे विधि-विधान का ध्यान रखा जाता हैं और उसी अनुसार करवा चौथ का व्रत सम्पूर्ण किया जाता हैं। उन्होंने बताया कि करवा का अर्थ मिट्टी का बर्तन और चौथ का अर्थ चतुर्थी तिथि होता है।

चंद्रोदय तक निर्जला व्रत का विधान

इस दिन महिलाएं चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं और चंद्र दर्शन के बाद ही जल ग्रहण कर व्रत तोड़ती हैं। व्रत तोडऩे के पूर्व महिलाएं दुल्हन की तरह सजती-धजती हैं, फिर एक गोल करवा या आटा छन्नी में पति का चेहरा और चंद्र का दर्शन एवं पूजन करने के बाद ही व्रत तोड़ती हैं। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के अभिभावक, अध्यापकगण व बच्चे उपस्थित रहे।

गाड़ी गिरवी रखकर एक लाख रुपये हड़पने के आरोप में एक गिरफ्तार

फतेहाबाद। गाड़ी गिरवी रखने के बहाने एक व्यक्ति से एक लाख रुपये हड़पने के मामले में सीआईए टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान बिट्टू पुत्र रोशन लाल निवासी रविदास मोहल्ला, वार्ड नंबर 18, टोहाना के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में एक अन्य आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मामला अरूण कुमार पुत्र रामफल निवासी रविदास मोहल्ला, टोहाना की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें उसने बताया कि कुछ व्यक्तियों ने आपसी मिलीभगत से उसकी गाड़ी को गिरवी रखवाने के बहाने 1 लाख रुपये हड़प लिए। शिकायत के अनुसार, विशाल मैहरा, पवन कुमार, राहुल जैन और बिट्टू नामक व्यक्तियों ने पीड़ित से यह कहकर रकम ली कि वे अपनी गाड़ी की किस्त और किराया भरना चाहते हैं। पीड़ित ने उनके कहने पर अलग-अलग खातों में कुल 88 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए और शेष राशि नकद दी।

रक्तदान का कोई विकल्प नहीं : बिश्नोई

- डीएमसी संजय बिश्नोई ने रक्तदान कर रक्तदाताओं का बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

फतेहाबाद। रक्तदान शिविर में रक्तदान कर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते डीएमसी संजय बिश्नोई।

उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में शुक्रवार को जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 व्यक्तियों द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में जिला नगरायुक्त संजय बिश्नोई ने स्वयं रक्तदान कर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए डीएमसी संजय बिश्नोई ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसलिए जब भी अवसर मिले, निष्काम भाव से रक्तदान करें, ताकि किसी भी जरूरतमंद की जान रक्त की कमी से न जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे नेक कार्यों में हमेशा सक्रिय रहेंगे। इस अवसर जिला रेडक्रॉस सोसायटी व स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अंतर विद्यालय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 15 को : सिद्धांत जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

विद्यार्थियों में सडक़ सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता की अलख जगाने के उद्देश्य से जिला पुलिस विभाग द्वारा परिवहन विभाग के सहयोग से 15 अक्टूबर बुधवार को अंतर विद्यालय सडक़ सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जिलेभर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में एक साथ आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता को लेकर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों में उत्साह और गर्व का माहौल है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि यह प्रतियोगिता सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूरे जिले में एकसाथ संपन्न होगी। जिसमें 1 लाख 55 हजार छात्र-छात्राएं एक साथ सडक़ सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कलम उठाएंगे।

सुरक्षा महाअभियान

एसपी जैन ने बताया कि यह प्रतियोगिता वर्ष 2013-14 से लगातार आयोजित की जा रही है और हर वर्ष यह कार्यक्रम नई ऊँचाइयों को छूता जा रहा है। वर्ष 2024-25 में जिले के 1 लाख 54 हजार से अधिक छात्र इस महाअभियान से जुड़े थे, जो यह साबित करता है कि फतेहाबाद शिक्षा और जागरूकता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

प्राचीन संस्कृति के संरक्षण को संग्रहालय विकसित करने के निर्देश

साइट इंचार्ज प्रीति गुलिया ने उपायुक्त को खुदाई कार्य, वहां प्राप्त प्राचीन मृदभांड ,धातु की वस्तुएं व अन्य जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। प्राचीन पुरातात्विक स्थलों कुनाल व बनावली सोतर का दौरा कर जानकारी लेते उपायुक्त डॉ. विवेक भारती।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने जिले के प्राचीन पुरातात्विक स्थलों कुनाल और बनावली सातर का दौरा किया। ये स्थल पूर्व हड़प्पा सभ्यता से जुड़े हैं और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाते हैं। कुनाल स्थल पर साइट इंचार्ज प्रीति गुलिया ने उपायुक्त को खुदाई कार्य, वहां प्राप्त प्राचीन मृदभांड (सिरेमिक), धातु की वस्तुएं, प्राचीन मिट्टी के नमूने तथा अन्य पुरावशेषों की जानकारी दी। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि इन बहुमूल्य धरोहरों को संरक्षित रखने के लिए निर्माणाधीन संग्रहालय को उचित तरीके से विकसित किया जाए, ताकि आमजन और शोधार्थी यहां आकर प्राचीन सभ्यता को अच्छी तरह से समझ सकें।उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने गांव कुनाल के सरपंच से भी बातचीत कर क्षेत्र की ऐतिहासिक और सामाजिक जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त ने कहा कि इस क्षेत्र की धरोहरें न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक पहचान हैं और इनके संरक्षण में सभी की भागीदारी आवश्यक है। इसके पश्चात उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बनावली सोतर गांव का भ्रमण किया, जहां उन्होंने पूर्व हड़प्पा काल के प्राचीन कुएं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के पुरातात्विक स्थलों से हमें हमारे अतीत की जीवन शैली और सांस्कृतिक समृद्धि का ज्ञान मिलता है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया, एसडीएम राजेश कुमार व सुरेन्द्र सिंह, सीटीएम गौरव गुप्ता, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक अमित पंवार, बीडीपीओ विकास लांग्यान, सरपंच जय भगवान, ग्राम सचिव कर्ण सिंह, सत्य प्रकाश सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पताल के नवनिर्मित बिल्डिंग का डीसी ने किया निरीक्षण, दिशा-निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल का निरीक्षण करते उपायुक्त डॉ. विवेक भारती।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने शुक्रवार को सेक्टर 10 में बन रही सिविल अस्पताल के नवनिर्मित बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में प्रस्तावित ओपीडी ब्लॉक, आईपीडी ब्लॉक, रेजिडेंशियल क्वार्टर, सीएमओ, डिप्टी सीएमओ व पीएमओ कार्यालय का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए सभी संबंधित अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इससे पहले उपायुक्त ने स्थानीय नागरिक अस्पताल में चल रहे नवीनीकरण कार्यों का भी अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को गुणावतापूर्वक निर्धारित समयावधि में जिम्मेदारी के साथ पूर्ण किया अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीज और जनता को किसी प्रकार की परेशानी ना आने दे।

सेक्टर 10 में बन रहा अस्पताल का भवन

इस दौरान उन्होंने पूरे नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड एक्स-रे रूम, ओपीडी रूम, लेबर रूम, किया और कार्य का अवलोकन भी किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उपायुक्त को अवगत कराया कि अस्पताल भवन में फिनिशिंग का कार्य चल रहा है।

ये रहे मौजूद

। इस अवसर पर एसएमओ डॉ. बुधराम, डिप्टी सीएमओ डॉ. नीरज कुमार, मेजर डॉ. शरद तुली, डॉ. गुंजन बंसल, डॉ. कुलदीप गौरी, डॉ. राशिद, डॉ. जेपी शर्मा, डॉ. गिरीश, डॉ. हिमांशु बंसल, सीएनओ रामरति, लोक निर्माण विभाग से एसडीओ संदीप सचदेवा, एआईपीआरओ नरेंद्र सोनी, सुपरवाइजर गोपाल बंसल, जेई रविकांत, जसवंत, सत्य प्रकाश बिसला आदि मौजूद रहे।